

चन्नार वाइल्डलाइफ सेंकचुरी में दुर्लभ पक्षी प्रजाति

चर्चा में क्यों?

केरल के चन्नार वाइल्डलाइफ सेंकचुरी में श्रीलंकन प्रॉगमाउथ (Srilankan Frogmouth) नामक एक दुर्लभ पक्षी देखा गया है जिसके बाद से यह पक्षी वजिज्ञानियों की रुचिका वषिय बना हुआ है। पहली बार इसे पश्चिमी घाट के पूर्वी इलाके में देखा गया है।

श्रीलंकन प्रॉगमाउथ

- यह पक्षी बाट्राकोस्टोमस मॉनीलजिर प्रजाति (Batrachostomus Moniliger Species) से संबंधित है जिसे चन्नार सेंकचुरी में देखा गया है।
- इसका आवास सामान्यतः पश्चिमी घाट के जंगलों के पश्चिमी भाग तक ही सीमित रहता है।
- यह यूरोप एवं शीतोष्ण एशिया में प्रजनन करने वाले सायंकालीन और रात्रचिर (Nocturnal) पक्षी, नाइटजार (Nightjar) का संबंधी माना जाता है।
- इसका पंसदीदा आवास जैसे शुष्क एवं खुले क्षेत्र होते हैं जहाँ कुछ मात्रा में छोटे वृक्ष या झाड़ियाँ पाई जाती हैं।
- श्रीलंकन प्रॉगमाउथ सामान्यतया दनि के समय छोटे वृक्ष की शाखाओं पर आराम करते हैं। इनकी शांतपूरण उपस्थिति के कारण इन पर गौर करना मुश्किल हो जाता है।
- नाइटजार पक्षी की तरह यह पक्षी भी कीड़ों को खाता है एवं मुख्यतः रात के समय ही शिकार की तलाश करता है।
- इस पक्षी की मुख्य वशिषता यह है कि अप्रैल-मई के मेटगि सीज़न के बाद यह एक साल में एक ही अंडा देता है।
- इसका घोंसला मॉस, लाइकेन और मुलायम पौधों की पत्तियों तथा पेड़ की छाल की मदद से तैयार होता है।
- जन्म के कुछ समय बाद नर पक्षी घोंसले को तोड़कर नवजात पक्षी के साथ उड़ जाता है।
- पक्षी वजिज्ञानियों के अनुसार, श्रीलंका में इस पक्षी का अनूठा आवास पाया जाता है और साथ ही यह मत भी है कि ये थट्टेकड बर्ड सेंकचुरी में भी पाए जाते हैं।

थट्टेकड बर्ड सेंकचुरी, केरल

1. 'सलीम अली बर्ड सेंकचुरी' को ही थट्टेकड बर्ड सेंकचुरी के नाम से भी जाना जाता है।
2. यह पेरयार नदी के उत्तरी किनारे पर स्थिति ऐरनाकुलम ज़िले के कोठामंगलम तालुक में अवस्थिति है।
3. 'बर्डमैन ऑफ इंडिया' डॉ. सलीम अली की अनुशांसाओं के आधार पर 1983 में इस सेंकचुरी को अधिसूचित किया गया था।
4. काफी समय से इसकी उपस्थिति दर्ज नहीं किये जाने के कारण इस प्रजाति को राज्य से वलुप्त माना जाने लगा था। परंतु 1976 में थट्टेकड में इसे पुनः देखा गया था।
5. केरल में थट्टेकड बर्ड सेंकचुरी के अतरिकित नेलयामपैथी, चमिमिनी, परम्बकुलम, थेनमाला एवं वायनाड में भी इसे देखे जाने की रिपोर्ट पहले आ चुकी है।
6. यह पक्षी कर्नाटक, गोवा एवं महाराष्ट्र में भी पाया जाता है।